PJ588.

भंडा फूटना	भेद खुलना।
भंडा फोड़ना	भेद खोलना।
भंडारा खुल जाना	पेट फटकर आंतों का बाहर निकल आना।
भंवर में पड़ना	चक्कर में पड़ना। घबरा जाना।
भवा कर जीतना	किसी को धोखा देकर उसे कार्य साधने के अनुकूल बनाना।
भख करना	खाना। उ०- बाढ़े देहु जो गढ़त जनि चालहु यह बात। तिनहिं जो पाहन भख करहिं अस केहि के मुख दांत। । जायसी ।
भट्ठी दहकना	किसी का कारबार जोरों पर होना। बहुत आय होना।
भठियारिनों की तरह लड़ना	चिल्लाते, उंगलियां आदि चमकाते और गंदी गालियां आदि बकते हुए लड़ना।
भड़साईं चिकना	कारोबार का खूब चलना। अच्छी आय होना (व्यंग्य)।
भड़ास निकालना	कुछ कह सुन कर या और किसी प्रकार मन में बैठा हुआ दु:ख दूर करना।
भद्रा उतरना	किसी प्रकार की हानि विशेषत: आर्थिक हानि होना।
भद्रा लगना	विघ्न पड़ना। बाधा उपस्थित होना।
भद्रा लगाना	बाधा उत्पन्न करना।
भभूत रमाना	वैराग्य धारण करना। साधु हो जाना। शरीर में भभूत लगाना। उ०- अंसुवन की सैली गल में लगत सुहाई। तन धूर जमी सोइ अंग भभूत रमाई। हरिश्चन्द्र ।
भय खाना	डरना। भयभीत होना।
भर पाना	पूरा पावना वसूल हो जाना। किये का फल पाना।
भरती करना	किसी के बीच में रखना, लगाना या बैठाना।

भरती का	जो केवल स्थान पूरा करने के लिए रक्खा जाय। बहुत ही साधारण या रद्दी। व्यर्थ का या निकम्मा।
भरम गंवाना	अपना भेद खोलना। अपनी थाह देना। बंधी या जमी हुई धाक नष्ट करना। उ०- आपन भरम गंवाइ के, बांट न लैहै कोय। रहीम।
भरम न बताना	भेद न बताना।
भरम बिगाड़ना	भंडा फोड़ना। रहस्य खोलना।
भरी गोद खाली होना	सन्तान का मर जाना।
भरी थाली मैं लात मारना	लगी नौकरी मिलती रोजी का छोड़ देना।
भरी सभा मैं	सबके सामने।
भले ही	ऐसा हुआ करे। इससे कोई हानि नहीं। अच्छा ही है। उ०- हृदय हेरि हारेउ सब ओरा। एकहि भांति भलेहि भल मोरा। (इस प्रयोग से कुछ उपेक्षा या सन्तोष का भाव प्रकट होता है)।
भविष्य मैं	आनेवाले समय मैं। इसके बाद। आगे चलकर।
भांग खा जाना	नशे मैं होने की सी बातें करना। नासमझी या पागलपन की सी बातें करना।
भांग छानना	भांग पीना।
(घर मैं मूंजी) भांग न होना	दरिद्र होना।
भांग पी जाना	नशे मैं होने की सी बातें करना। नासमझी या पागलपन की सी बातें करना।
भांजी मारना	किसी को हानि पहुंचाने की बात कहना। विघ्न डालना।
भांड़े मरना	पश्चाताप करना। पछताना। उ०- तब तू मरबोई करति। रिसनि आगे कहि जो आवनि अब ले भांड़े भरति। सूर। फूट फूटकर रोना।
भांड़े मैं जी देना	किसी पर दिल लगा होना। उ०- को तुम उतर देय हो पांड़े। सो बोलै जाको जिव भांड़े। जायसी।

मांति मांति के	तरह तरह के। अनेक प्रकार के। उ०- पांयत के रंग सौ रंगि जात सौ मांतिहि मांति सरस्वति सैनी। पद्माकर
मांवर पारना	विवाह के समय वर और वधू का अग्नि की परिक्रमा करना।
मांवर मरना	परिक्रमा करना।
माग खुलना	भाग्योदय होना। तकदीर खुलना।
माग जागना	भाग्योदय होना। तकदीर खुलना।
माग फूटना	बुरे दिन आना।
माड़ फौकना	माड़ गरम करना। तुच्छ काम करना। नीच वृत्ति धारण करना। व्यर्थ समय गंवाना। निरर्थक काम करना।
माड़ मै फौकना	आग मै डालना। चूल्हे मै डालना। जलाना। फैकना। नष्ट करना। जाने देना। त्यागना।
माड़ मै जाय	चूल्हे मै जाय।
माड़ मै डालना	चूल्हे मै डालना। जलाना। फैकना। नष्ट करना। त्यागना। उपेक्षा करना।
माड़ मै पड़े	आग लगे। नष्ट हो।
माड़े का टट्टू	उज्रत पर काम करनेवाला। वह आदमी जिसे पैसा देकर जो चाहे काम ले।
माड़े फैरना	जिधर हवा का रूख हो, उधर नाव का मुंह फैरना।
माप मरना	चिड़ियों का अपने बच्चों के मुंह मै मुंह डालकर फूंकना (चिड़ियां अपने बच्चों को अंडे से निकलने पर दो तीन मै तक उनके मुंह मै दाना देने के पहले फूंकती है)।
माप लेना	बफारा लेना।
मार उतरना	कर्त्तव्य के ऋण से मुक्त होना।
मार उतारना	कर्त्तव्य पूरा करना। ज्यों त्यों किसी काम को पूरा करना। बला टालना। बेगार टालना।

मार डालना	बोझ रखना। बोझ डालना।
मार देना	बोझ रखना। बोझ डालना। उ०- मंजुल मंजरी पै हो मलिंद विचारि कै मार सम्हारि कै दीजिये। प्रताप ।
मारी पल्ला	बलवान पक्ष।
मारी पहरा	बुरा पहरा।
मारी रहना	नाव को रोकना (मल्लाह) (धीरे चलना (कहार)। चुप रहना (दलाल)।
(--- पर) भारी होना	जबरदस्त पड़ना।
(--- से) भारी होना	प्रबल होना।
भाव उतरना	किसी चीज का दाम घट जाना।
भाव गिरना	किसी चीज का दाम घट जाना।
भाव चढ़ना	दाम बढ़ जाना। दर तेज होना।
भाव देना	आकृति आदि से अथवा कोई अंग संचालित करके मन का भाव प्रकट करना। उ०- श्याम को भाव दै गई राधा। नारि नागरि न काहु लख्यो कोऊ नहिं कान्ह कछु करत है बहुत अनुराधा। सूर ।
भाव बताना	कोई काम न करके केवल हाथ पैर मटकाना। व्यर्थ नखरे के साथ हाथ पैर हिलाना।
भीख मानकर लेना	बहुत ही दीन भाव से और कृतज्ञतापूर्वक किसी की दी हुई कोई चीज लेना।
भीगी बिल्ली होना	भय आदि के कारण दब जाना। बिलकुल चुप रहना।
भीड़ चीरना	जन-समूह को हटाकर जाने के लिए मार्ग बनाना।
भीड़ छंटना	भीड़ के लोगों का इधर उधर हो जाना। भीड़ न रह जाना।
भीड़ लगना	जन-समूह इकट्ठा होना।
भीड़ हरना	(किसी पर) आया हुआ संकट दूर करना। कष्ट से बचाना। उ०- जुग जुग भीर (भीड़) हरी संतन की। मीरा ।

मीत मै दौड़ना — अपनी सामर्थ्य से बाहर असम्भव कार्य करने मै प्रवृत्त होना। उ०- बालि बली खरदूषन और बनैक गिरे जे जे मीत मै दौरे। तुलसी ।

मीत के बिना चित्र बनाना — बे सिर पैर की बात करना। बिना प्रमाण की बात करना। उ०- तात रिस करत प्राता कहै मारिहौ मीति बिन चित्र तुम करत रेखा। सूर ।

मीतर का कुंआ — वह उपयोगी पदार्थ जिससे कोई लाभ न उठासके। अच्छी, पर किसी के काम न आ सकने योग्य चीज। उ०- सूरदास प्रभु तुम बिन जौबन घर मीतर को कूप। सूर ।

मीतर पैठकर देखना — तत्व जानना। असलियत जांचना।

मीतर ही मीतर — मन ही मन। हृदय मै।

मीम के हाथी — न लौटनेवाली वस्तु।

मुंह लाना — मुकाना। उ०- कुंडल गहे सीस मुंह लावा। पावंर सुवन जहां वै पावा। जायसी ।

मुगत लैना — समझ लेना। निपट लेना।

मुज मै भरना — आलिंगन करना। अंक भरना। गले लगाना। उ०- कहा बात कहि पियहि जाऊं। कैसे मुज भरि कंठ लगाऊं। लल्लू ।

मुजा उठाकर कहना — प्रतिज्ञा करना। प्रण करना। उ०- चल न ब्रसकुल सन बरियाई। सत्य कहउं दोउ मुजा उठाई। तुलसी ।

मुजा उठाकर टेकना — प्रतिज्ञा करना। प्रण करना। उ०- मुजा टेकि कै पंडित बोला। छाड़हि देस बचन जो डोला। जायसी ।

मुनमुन करना — कुढ़कर अस्पष्ट स्वर मै कुछ कहना।

मुरकस निकलना — चूर चूर होना। इतना मार खाना कि हड्डी पसली चूर चूर हो जाय। बेदम होना। नष्ट होना। बरबाद होना। आघात आदि से दुर्दशाग्रस्त होना।

मुरकस निकालना — इतना मारना कि हड्डी पसली चूर चूर हो जाय। मारते मारते बेदम करना। बेकाम करना। किसी काम का न रहने देना। नष्ट करना। बरबाद करना।

भुरता कर देना	कुचलकर पीस डालना। दबाकर चूर चूर कर देना।
भुरता करना	कुचलकर पीस डालना। दबाकर चूर चूर कर देना।
भुलना खर खाना	विस्मरणशील होना।
भुस में डालना । मिलाना	व्यर्थ नष्ट करना।
भूख मर जाना	क्षुधा का नष्ट हो जाना। भूख न लगना।
भूख लगना	भोजन की इच्छा होना। खाने को जी चाहना।
भूखा रहना	निराहार रहना। भोजन न करना। व्रत रखना। उपवास करना।
भूखे प्यासे	बिना खाये पिये। बिना अन्न जल ग्रहण किये।
भूखों मरना	क्षुधा-कष्ट से पीड़ित होना। निराहार रहना।
भूत उतरना	पागल कर देनेवाले गुस्से का उतर जाना। सनक का दूर होना।
भूत का पकवान	भ्रमवश दिखाई देनेवाला पदार्थ। जल्द नष्ट हो जाने वाला पदार्थ।
भूत की मिठाई	भ्रमवश दिखाई दिने देनेवाला पदार्थ। जल्द नष्ट हो जानेवाला पदार्थ। सहज में मिला हुआ धन जो शीघ्र ही नष्ट हो जाय। उ०- भूत की मिठाई जैसी साधु की कुठाई तैसी स्यार की ढिठाई ऐसी क्षीण छंद ऋतु है। केशव ।
भूत चढ़ना	अत्यधिक आग्रह या हठ हो जाना। अत्यधिक क्रोध आना
भूत बनकर लगना	बुरी तरह पीछे लगना। किसी तरह पीछा न छोड़ना।
भूत बनना	नशे में चूर होना। अत्यधिक क्रोध में होना। किसी काम में तन्मय होना।
(किसी बात का) भूत सवार होना	किसी चीज के पीछे पड़ जाना, उसका हठ पकड़ लेना
भूमि बांधना	किसी बात को सीधे-सादी सीधे थोड़े में न कहकर, उसे कहने के लिए इधर उधर से बहुत सी बातें लाकर जोड़-तोड़ भिड़ाना।

मांति मांति के	तरह तरह के।अनेक प्रकार के।उ०- पांयत के रंग सौ रंगि जात सौ मांतिहि मांति सरस्वति सैनी।पद्माकर
मांवर पारना	विवाह के समय वर और वधू का अग्नि की परिक्रमा करना।
मांवर भरना	परिक्रमा करना।
भाग खुलना	भाग्योदय होना।तकदीर खुलना।
भाग जागना	भाग्योदय होना।तकदीर खुलना।
भाग फूटना	बुरे दिन आना।
भाड़ झोंकना	भाड़ गरम करना।तुच्छ काम करना।नीच वृत्ति धारण करना।व्यर्थ समय गंवाना।निरर्थक काम करना।
भाड़ मै झोंकना	आग मै डालना।चूल्हे मै डालना।जलाना।फेंकना।नष्ट करना।जाने देना।त्यागना।
भाड़ मै जाय	चूल्हे मै जाय।
भाड़ मै डालना	चूल्हे मै डालना।जलाना।फेंकना।नष्ट करना।त्यागना। उपेक्षा करना।
भाड़ मै पड़े	आग लगे।नष्ट हो।
भाड़े का टट्टू	उजरत पर काम करनेवाला।वह आदमी जिसे पैसा देकर जो चाहे काम ले।
भाड़े फेरना	जिधर हवा का रुख हो,उधर नाव का मुंह फेरना।
भाप मरना	चिड़ियों का अपने बच्चों के मुंह मै मुंह डालकर फूंकना (चिड़ियां अपने बच्चों को अंडे से निकलने पर दो तीन तक उनके मुंह मै दाना देने के पहले फूंकती है)।
भाप लेना	बफारा लेना।
भार उतरना	कर्तव्य के ऋण से मुक्त होना।
भार उतारना	कर्तव्य पूरा करना।ज्यों त्यों किसी काम को पूरा करना।बला टालना।बेगार टालना।

भार डालना	बोझ रखना। बोझ डालना।
भार देना	बोझ रखना। बोझ डालना। उ०- मंजुल मंजरी पै हो मलिंद विचारि के भार सम्हारि के दीजिये। प्रताप ।
भारी पल्ला	बलवान पक्ष।
भारी पहरा	बुरा पहरा।
भारी रहना	नाव को रोकना (मल्लाह)(धीरे चलना (कहार)। चुप रहना (दलाल)।
(--- पर)भारी होना	जबरदस्त पड़ना।
(--- से)भारी होना	प्रबल होना।
भाव उतरना	किसी चीज का दाम घट जाना।
भाव गिरना	किसी चीज का दाम घट जाना।
भाव चढ़ना	दाम बढ़ जाना। दर तेज होना।
भाव देना	आकृति आदि से अथवा कोई अंग संचालित करके मन का भाव प्रकट करना। उ०- श्याम को भाव दै गई राधा। नारि नागरि न काहु लख्यो कोऊ नहिं कान्ह कछु करत है बहुत अनुराधा। सूर ।
भाव बताना	कोई काम न करके केवल हाथ पैर मटकाना। व्यर्थ नखरे के साथ हाथ पैर हिलाना।
भीख मानकर लेना	बहुत ही दीन भाव से और कृतज्ञतापूर्वक किसी की दी हुई कोई चीज लेना।
भीगी बिल्ली होना	भय आदि के कारण दब जाना। बिल्कुल चुप रहना।
भीड़ चीरना	जन-समूह को हटाकर जाने के लिए मार्ग बनाना।
भीड़ छंटना	भीड़ के लोगों का इधर उधर हो जाना। भीड़ न रह जाना।
भीड़ लगना	जन-समूह इकट्ठा होना।
भीड़ हरना	(किसी पर)आया हुआ संकट दूर करना। कष्ट से बचाना उ०- जुग जुग भीर(भीड़)हटी संतन की। मीरा ।

मीत मै दौड़ना — अपनी सामर्थ्य से बाहर, असम्भव कार्य करने मै प्रवृत्त होना। उ०- बालि बली बरदूषन और अनेक गिरे जे जे मीत मै दौरे। तुलसी ।

मीत के बिना चित्र बनाना — बे सिर पैर की बात करना। बिना प्रमाण की बात करना। उ०- तात रिस करत प्राता कहै मारिहौ मीति बिन चित्र तुम करत रेखा। सूर ।

मीतर का कुंआ — वह उपयोगी पदार्थ जिससे कोई लाभ न उठासके। अच्छी, पर किसी के काम न आ सकने योग्य चीज। उ०- सूरदास प्रभु तुम बिन जौबन घर मीतर को कूप। सूर ।

मीतर पैठकर देखना — तत्व जानना। असलियत जांचना।

मीतर ही मीतर — मन ही मन। हृदय मै।

मीम के हाथी — न लौटनेवाली वस्तु।

मुंह लाना — मुकाना। उ०- कुंडल गहे सीस मुंह लावा। पावंर सुवन जहां वै पावा। जायसी ।

मुगत लेना — समझ लेना। निपट लेना।

मुज मै भरना — आलिंगन करना। अंक भरना। गले लगाना। उ०- कहा बात कहि पियहि जगाऊं। कैसे मुज भरि कंठ लगाऊं। लल्लू ।

मुजा उठाकर कहना — प्रतिज्ञा करना। प्रण करना। उ०- चल न ब्रसकुल सन बरियाई। सत्य कहउं दोउ मुजा उठाई। तुलसी ।

मुजा उठाकर टेकना — प्रतिज्ञा करना। प्रण करना। उ०- मुजा टेकि कै पंडित बोला। छाड़हि देस बचन जो डोला। जायसी ।

मुनमुन करना — कुढ़कर अस्पष्ट स्वर मै कुछ कहना।

मुरकस निकलना — चूर चूर होना। इतना मार खाना कि हड्डी पसली चूर चूर हो जाय। बेदम होना। नष्ट होना। बरबाद होना। आघात आदि से दुर्दशाग्रस्त होना।

मुरकस निकालना — इतना मारना कि हड्डी पसली चूर चूर हो जाय। मारते मारते बेदम करना। बेकाम करना। किसी काम का न रहने देना। नष्ट करना। बरबाद करना।

भुरता कर देना	कुचलकर पीस डालना। दबाकर चूर चूर कर देना।
भुरता करना	कुचलकर पीस डालना। दबाकर चूर चूर कर देना।
भुलना खा जाना	विस्मरणशील होना।
भुस में डालना । मिलाना	व्यर्थ नष्ट करना।
भूख मर जाना	क्षुधा का नष्ट हो जाना। भूख न लगना।
भूख लगना	भोजन की इच्छा होना। खाने को जी चाहना।
भूखा रहना	निराहार रहना। भोजन न करना। व्रत रखना। उपवास करना।
भूखे प्यासे	बिना खाये पिये। बिना अन्न जल ग्रहण किये।
भूखों मरना	क्षुधा-कष्ट से पीड़ित होना। निराहार रहना।
भूत उतरना	पागल कर देनेवाले गुस्से का उतर जाना। रक्त का दूर होना।
भूत का पकवान	भ्रमवश दिखाई देनेवाला पदार्थ। जल्द नष्ट हो जाने वाला पदार्थ।
भूत की मिठाई	भ्रमवश दिखाई दिने देनेवाला पदार्थ। जल्द नष्ट हो जानेवाला पदार्थ। सहज में मिला हुआ धन जो शीघ्र ही नष्ट हो जाय। उ०- भूत की मिठाई जैसी साधु की कुठाई तैसी स्यार की ढिठाई ऐसी दामिणि छुई क्रतु है। केशव ।
भूत चढ़ना	अत्यधिक आग्रह या हठ हो जाना। अत्यधिक क्रोध आना
भूत बनकर लगना	बुरी तरह पीछे लगना। किसी तरह पीछा न छोड़ना।
भूत बनना	नशे में चूर होना। अत्यधिक क्रोध में होना। किसी काम में तन्मय होना।
~~(किसी बात का)~~भूत सवार होना	किसी चीज के पीछे पड़ जाना, उसका हठ पकड़ लेना
भूमिका बांधना	किसी बात को सीधे-सादे सीधे थोड़े में न कहकर, उसे कहने के लिए इधर उधर से बहुत सी बातें लाकर जोड़-तोड़ मिलाना।

भूमि होना	पृथ्वी पर गिरना।
भूलकर नाम न लेना	कभी नाम न लेना।
भूल के कोई काम करना	कोई ऐसा काम करना जो पहले न करते रहे हों। भ्रम में पड़कर कोई काम कर बैठना।
भूल के कोई काम न करना	कदापि कोई कान न करना।
भेड़ मारना	किसी कार्य की सिद्धि में बाधा डालना।
भेजा खाना	बक बककर सिर खाना। बहुत बक बककर तंग करना।
भेजा पकाना	बकबक करके खोपड़ी खाना।
भेड़िया धसान	बिना सोचे समझे दूसरों का अनुसरण करना।
भैंस काटना	गरमी का रोग होना। उपदंश होना।
भोजन छाजन	खाना कपड़ा।
भोजन पेट में पड़ना	भोजन होना। खाया जाना।
भौं चढ़ाना	नाराज होना। क्रुद्ध होना। त्योरी चढ़ाना। बिगड़ना। रोष प्रकट करना।
भौं जोहना	प्रसन्न रखने के लिए संकेत पर चलना। खुशामद करना। उ०- अकारन को हितू और को है। बिरद गरीबनेवाज कौन को भौंह जासु जन जोहै। तुलसी ।
भौं ताकना	किसी की प्रवृत्ति या विचार का ध्यान रखना। रुख देखना।
भौं तानना	नाराज होना। क्रुद्ध होना। उ०- बदत काहू नहीं निधरक निदरि मोहिं न गनत। बार बार बुझाइ हारी भौंह मोपर तनत। सूर । त्योरी चढ़ाना। बिगड़ना। रोष प्रकट करना।
भौं नचाना	बारबार भौंहे हिलाना जो स्त्रियों के हाव-भाव और विशेष चंचलता का सूचक है।
भौं मरोड़ना	भ्रू-भंग करना। आंख से इशारा करना। कनखी मारना। उ०- पान दियो हंसि प्यार सों प्यारी बहु लाजि त्यों हंसि भौंह मरोरी। देव । नाक भौं चढ़ाना।

माँ सिकोड़ना। उ०- हौं हूं गही पदुमाकर दौरि सौ
मौह मरोरत सेज लौ आई। पद्माकर ।